भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा विश्व पशु-चिकित्सा दिवस आयोजित

भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर में 28 अप्रैल को विश्व पशु-चिकित्सा दिवस मनाया गया। डॉ. जी. मल, स्टेशन प्रभारी ने इस वर्ष चयनित विषय "आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सुधार के सतत विकास में पशु-चिकित्सा व्यवसाय का योगदान" के अंतर्गत जानकारी दी, कि विश्व जनसंख्या एवं हमारे देश का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण इलाकों में रहता है एवं पशु-पालन दिनचर्या का एक जरूरी हिस्सा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशु-पालन आय का स्रोत भी है। डॉ. बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने चर्चा जारी रखते हुए कहा कि आने वाले समय में जनसंख्या वृद्धि होने के कारण पशुओं से प्राप्त उच्च गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य हितकर प्रोटीन्स की मांग निरंतर बढेगी। डॉ. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने विश्व पशु-चिकित्सा दिवस आयोजन करने का उदेश्य एवं महत्व पर चर्चा की। किसानों की सेवा में प्रयासरत भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान के उल्लेखनीय योगदान का विवरण प्रस्तुत करते हुए स्टेशन प्रभारी ने बताया कि जितनी भी पशु वैक्सीन हैं, अधिकाँश इस संस्थान द्वारा विकसित की गयी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि यद्यपि देशी गौ पशुओं में दुग्धकाल एवं दुग्ध उत्पादन कम होता है, लेकिन देशी गोवंश के दूध में मानव स्वास्थ्य हितकर तत्वों की प्रचुरता होने के कारण स्वदेशी गोवंश का संरक्षण करना स्वास्थ्य व पशु-पालन की दृष्टि से अति आवश्यक है। देशी गाय के दूध में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि एवं ए2 केसिन की प्रचुरता एवं प्रमाणिकता को देखते हुए निकट भविष्य में देशी गाय को दूध उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर पालने की असीम संभावनाएं हैं।

इस अवसर पर चयनित विषय पर प्रश्नोतरी का भी आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के सभी अधिकारियों, शोध छात्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। विश्व पशु-चिकित्सा दिवस के आयोजन में डॉ. बी. सिंह, डॉ. यू. एस. पति एवं डॉ. रिंकु शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने धन्यवाद प्रस्ताव में डॉ. बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.- भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान

क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर ने इस अवसर पर सम्मिलित सभी सहभागियों का आभार ब्यक्त किया।